क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 1 अंक: 248, बुधवार, 03 अक्टूबर, 2018, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

4 साल से भतीजी से कर रहा था रेप, पुलिस से बोला- दूर कर रहा था मांगलिक दोष

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने 'मंगलिक दोष' का इलाज करने के बहाने चार साल तक अपनी भतीजी से बलात्कार करने के आरोप में सोमवार को उसके सगे चाचा को गिरफ्तार किया है। आरोपी व्यक्ति ने 23 वर्षीय पीड़ित युवती से कहा था कि अगर 'दोष' को दूर नहीं किया गया तो उसके पिता की मौत हो जाएगी। पुलिस ने कहा वह चार साल से लगातार इस अपराध को अंजाम दे रहा था। पुलिस ने बताया कि जब आरोपी चाचा ने युवती की शादी के बाद भी उसे बुलाया तो उसने इस बारे में अपने ससुर को बताने का फैसला किया। इसके बाद उसका ससुर महिला को नरेला पुलिस स्टेशन ले गया और 13 सितंबर को प्राथमिकी दर्ज कराई। पुलिस ने कहा, आरोपी पीड़िता का सगा चाचा हैं, जिसे एफआईआर दर्ज होने के दिन ही गिरफ्तार कर लिया गया था। वहीं, पीड़िता की काउंसलिंग के लिए पुलिस ने दिल्ली आयोग से संपर्क किया है।

दहेज के लिए महिला की हत्या, पिता ने शादी में किए थे 3 करोड़ रुपये खर्च

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा थाना क्षेत्र के कासना गांव में ससुरालियों ने दहेज के लिए एक विवाहिता को कथित रूप से गले में फंदा डालकर पंखे से लटका दिया। इलाज के दौरान मंगलवार को महिला की मौत हो गई। मृतका के परिजनों ने पति समेत ससुराल के कई लोगों पर दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है। थाना ग्रेटर नोएडा के प्रभारी धर्मेंद्र शर्मा ने बताया कि ढाई साल पहले सरिता की शादी कासना गांव निवासी लाला के साथ हुई थी। उसके पिता ने इस शादी में करीब तीन करोड़ रुपये खर्च किए थे, इसके बावजूद भी उसके ससुराल वाले शादी के समय से ही और अधिक दहेज की मांग कर रहे थे। थाना प्रभारी ने बताया कि दहेज की मांग पूरी न होने पर 28 सितंबर को सरिता के ससुराल वालों ने उसके गले में फंदा डालकर पंखे से लटका कर उसकी हत्या का प्रयास किया। गंभीर हालत में उसे नोएडा के जेपी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां मंगलवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। थाना प्रभारी ने बताया कि इस मामले में मृतका के पिता धर्मवीर सिंह ने थाना ग्रेटर नोएडा में उसके पति लाला, ससुर हरवीर, सास श्रीमती सुखराजो, जेठ अमित को नामजद करते हुए दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कार में लिफ्ट ली फिर दुष्कर्म में फंसाने की धमकी देकर ASI से रुपये ऐंठे

फरीदाबाद। पति की बीमारी का बहाना बनाकर एक महिला नीलम चौक के पास रेहड़ी पर जूस पी रहे एक एएसआई की कार में लिफ्ट लेकर बैठ गई। आरोप है कि इसके बाद उस महिला ने कपड़े फाड़कर शोर मचाने की बात कहकर एएसआई से पेटीएम और एटीएम कार्ड के जरिये हजारों रुपये ऐंठ लिए। यही नहीं महिला की धमकी के चलते एएसआई को इस महिला को पलवल भी छोड़कर आना पड़ा। एनआईटी थाना पुलिस ने पीड़ित एएसआई की शिकायत पर अज्ञात महिला के खिलाफ जबरन वसूली का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक, जिला पुलिस की मिसिंग पर्सन सेल में तैनात एएसआई 29 सितंबर की सुबह करीब 11 बजे नीलम चौक के पास एक रेहड़ी पर खड़े होकर जूस पी रहे थे। इसी दौरान एक महिला वहां आ पहुंची। उसने उनसे कहा कि उसका पति बीमार है। उसे बल्लभगढ़ जाना है। एएसआई उसे लिफ्ट न देकर कार में सवार होकर आगे चल दिया। मगर, महिला आंखों में आंसू लाकर रोने लगी। जिससे एएसआई ने उसे मजबूर समझकर अपनी कार में बैठा लिया। जैसे ही कार नीलम पुल से उतरकर हाईवे पर चढ़ी तो महिला ने एएसआई का फोन अपने कब्जे में लेकर रुपयों की मांग की। आरोप है कि महिला ने एएसआई को धमकी दी कि वह अपने कपड़े फाड़कर शोर मचाकर लोगों को इकट्ठा कर देगी। इससे एएसआई डर गया। महिला ने एएसआई के पर्स से करीब 20 हजार रुपये निकाल लिए। उसके बाद पेटीएम से दो बार दो-दो हजार रुपये डाल लिए। फिर कहने लगी कि उसे पलवल छोड़कर आओ। एएसआई महिला को पलवल छोड़कर आया। वहां भी महिला ने और रुपयों की मांग की। एएसआई ने अपने एटीएम कार्ड का प्रयोग कर दो हजार रुपये महिला दे दिए।

पुष्पांजलि अर्पित

नई दिल्ली स्थित राजघाट पर सोमवार को महात्मा गांधी की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित करते उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव।

22 साल बाद हरियाणा सरकार छात्र संघ चुनाव कराने को तैयार

जीन्द। हरियाणा में छात्र संघ चुनाव की तिथि का ऐलान करते हुए सरकार ने चुनाव अप्रत्यक्ष रूप कराए जाने की घोषणा की है। 22 साल बाद होने वाले इन चुनावों के लिए सरकार ने शेड्यूल जारी कर दिया है। बता दें कि हरियाणा प्रदेश में छात्र संघ चुनाव 12 अक्टूबर को होंगे। राज्य के सभी विश्वविद्यालयों के कुलपतियों व कॉलेजों के प्राचार्यों को चुनाव की तैयारियां करने के निर्देश देने के साथ जिलों के एसपी-डीसी को अलर्ट कर दिया गया है। वहीं कुछ छात्र संगठन चुनावों के अप्रत्यक्ष रूप से कराए जाने के विरोध में हैं, जिसके चलते इनसो ने 4 अक्टूबर को एक बैठक बुलाई है, जिसमें सभी छात्र संगठनों को हिस्सा लेने के लिए बुलाया है।

करीब 5 लाख छात्र करेंगे मतदान

बता दें कि बीते दिन हरियाणा के शिक्षा मंत्री रामबिलास शर्मा ने बताया कि छात्र संघ के चुनावों में 725 कॉलेज और 18 यूनिवर्सिटी भाग ले रही हैं, जिसमें करीब 5 लाख छात्र मतदान करेंगे। इसके लिए सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने बताया कि चुनाव अप्रत्यक्ष रूप से 12 अक्टूबर को होंगे और चुनाव के दिन चुनाव परिणाम सामने आ जाएंगे। वहीं प्रदेश के कुछ छात्र संगठन प्रत्यक्ष रूप से चुनाव करवाना चाहते हैं, जबकि एबीवीपी अप्रत्यक्ष रूप से चुनाव कराए जाने पर सहमत है। चुनाव प्रत्यक्ष रूप से कराए जाएं, इसके लिए छात्र संघ इनसो की ओर से 4 अक्टूबर को चंडीगढ़ में सभी छात्र संगठनों की बैठक बुलाई गई है।

>>> बापू की जयंती पर विशेष :

हरिद्वार जाते वक्त देखा 'मुसलमान पानी' और 'हिन्दू पानी'

नई दिल्ली। वैसे तो राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का पूरा जीवन एक खुली किताब है, लेकिन कुछ खास घटनाओं के जरिए आप उनके दर्शन, दैनिक जीवन और तत्कालिक समाज के प्रति उनकी चिंताओं से रुबरू हो सकते हैं। साथ ही यह भी समझ पाएंगे कि वह समाज से प्रेरित होकर अपने लिए किस तरह के व्रत और बंधन तय करते थे। ऐसी ही एक घटना हरिद्वार कुंभ मेले में उनका पहुंचना थी। सन् 1915 में हरिद्वार में कुम्भ का मेला था।

महात्मा गांधी उस समय रंगून में डॉ. प्राण जीवनदास मेहता से मिलने वहां गए हुए थे। अपनी आत्मकथा 'सत्य के प्रयोग' में बापू लिखते हैं कि कुंभ में जाने की उनकी कोई खास इच्छा नहीं थी। लेकिन उन्हें महात्मा मुंशीराम के दर्शनों की उत्कट इच्छा थी। जो उन दिनों हरिद्वार में थे। वहीं, कुम्भ के लिए बापू के राजनीतिक गुरू गोपाल कृष्ण गोखले के भारत सेवक समाज ने बड़ी संख्या में स्वयं सेवक हरिद्वार भेजे थे।

हृदयनाथ कुंजरू यह इंतजाम देख रहे थे। उन्होंने महात्मा गांधी से निवेदन किया कि इस काम में मदद करने के लिए अपनी टुकड़ी लेकर आ जाएं। शांति निकेतन से स्वयं सेवकों को लेकर मगनलाल गांधी पहले ही हरिद्वार पहुंच चुके थे। लिहाजा, महात्मा गांधी के लिए हरिद्वार जाने के आसार बन चुके थे। वह रंगून से कलकत्ता लौटे और ट्रेन से हरिद्वार के लिए निकल पड़े।

'मुसलमान पानी' और 'हिन्दू पानी'

कलकत्ता से हरिद्वार पहुंचने में महात्मा गांधी को खूब परेशानी उठानी पड़ी। वह 'सत्य के प्रयोग' में लिखते हैं कि भीड़ इतनी अधिक थी कि गाड़ी के डिब्बों में कभी-कभी रोशनी तक नहीं होती थी। सहारनपुर से तो यात्रियों को माल या जानवरों के डिब्बों में ठूंस दिया गया था। खुले और बिना छतवाले डिब्बों पर दोपहर का सूरज तपता था। नीचे लोहे का फर्श था। फिर घबराहट का क्या पूछना? इतने कष्ट क्या कम थे कि श्रद्धालू हिन्दू अत्यन्त प्यासे होने पर भी 'मुसलमान पानी' आने पर उसे कभी नहीं पीते थे। 'हिन्दू पानी' की आवाज आती तभी वे पानी पीते। ट्रेन में पीने के लिए 'मुसलमान पानी' और 'हिन्दू पानी' अलग-अलग दिया जा रहा था। बापू कटाक्ष करते हैं कि इन्हीं श्रद्धालू हिन्दुओं को डॉक्टर दवा में शराब दे रहे थे। मांस का सत दें अथवा मुसलमान या ईसाई कम्पाउन्डर पानी दें तो उसे लेने मे इन्हें कोई संकोच नहीं होता था और न पूछताछ करने की जरूरत महसूस होती है।

लोभ ने गाय को भी नहीं बख्शा

बापू 'सत्य के प्रयोग' में लिखते हैं कि 'इस भ्रमण में मैंने लोगों की धर्म भावना की अपेक्षा उनका पागलपन, उनकी चंचलता, उनका पाखंड और उनकी अव्यवस्था ही अधिक देखी। साधुओं का तो जमघट ही इकट्ठा हो गया था। ऐसा प्रतीत हुआ मानो वे सिर्फ मालपुए और खीर खाने के लिए ही जन्मे हों। यहां मैंने पांच पैरोवाली एक गाय देखी। मुझे तो आश्चर्य हुआ, किन्तु अनुभवी लोगों ने मेरा अज्ञान तुरन्त दूर कर दिया। पांच पैरोंवाली गाय दुष्ट और लोभी लोगों के लोभ की बलिरूप थी। गाय के कंधे को चीरकर उसमें जिन्दा बछड़े का काटा हुआ पैर फंसाकर कंधे को सिल दिया जाता था और इस दोहरे कसाईपन का उपयोग अज्ञानी लोगों को ठगने में किया जाता था। पांच पैरोंवाली गाय के दर्शन के लिए कौन हिन्दू न ललचायेगा? उस दर्शन के लिए वह जितना दान दे, उतना कम है।'

17 लाख लोग पाखंडी नहीं हो सकते

कुंभ में ढोंग, पाखंड और छुआछूत देखकर महात्मा गांधी द्रवित हो उठे थे। वह लिखते हैं, 'कुम्भ का दिन आया। मेरे लिए वह धन्य घड़ी थी। मैं यात्रा की भावना से हरिद्वार नहीं गया था। तीर्थक्षेत्र में पवित्रता के शोध में भटकने का मोह मुझे कभी नहीं रहा। किन्तु 17 लाख लोग पाखंडी नहीं हो सकते थे। कहा गया था कि मेले में 17 लाख लोग आये होंगे। इनमें असंख्य लोग पुण्य कमाने के लिए, शुद्धि प्राप्त करने के लिए आये थे, इसमें मुझे कोई शंका न थी। यह कहना असंभव नहीं तो कठिन अवश्य है कि इस प्रकार की श्रद्धा आत्मा को किस हद तक ऊपर उठाती होगी। मैं बिछौने पर पड़ा-पड़ा विचार सागर मे डूब गया। चारों ओर फैले हुए पाखंड के बीच ये पवित्र आत्मायें भी हैं। ये ईश्वर के दरबार मे दंडनीय नहीं मानी जाएंगी।'

और बापू ने यहीं लिया सबसे कठिन व्रत

बापू लिखते हैं कि यदि ऐसे अवसर पर हरिद्वार में आना ही पाप हो तो मुझे सार्वजनिक रूप से उसका विरोध करके कुम्भ के दिन तो हरिद्वार का त्याग ही करना चाहिये। यदि यहां आने में और कुम्भ के दिन रहने में पाप न हो, तो मुझे कोई न कोई कठोर व्रत लेकर प्रचलित पाप का प्रायश्चित करना चाहिये, आत्मशुद्धि करनी चाहिये।

मेरा जीवन व्रतों की नींव पर रचा हुआ है। इसलिए मैंने यहां कोई कठिन व्रत लेने का निर्णय किया। मुझे उस अनावश्यक परिश्रम की याद आई, जो कलकत्ता और रंगून में मेरे मेजबानों को मेरे लिए उठाना पड़ा था। इसलिए मैंने आहार की वस्तुओं की मर्यादा बांधने

और अंधेरे से पहले भोजन करने का व्रत लेने का निश्चिय किया। मैंने देखा कि मैं मेजबानों के लिए भारी असुविधा का कारण बन जाता हूं। हर जगह लोग मेरी सेवा में ही उलझे रहते हैं। अत: चौबीस घंटों में पांच चीजों से अधिक कुछ नहीं खाने और रात्रि भोजन के त्याग का व्रत मैंने ले ही लिया।'

दवा भी पांच वस्तुओं में शामिल कर ली

यह प्रण लेने से पहले महात्मा गांधी ने दोनों व्रतों की कठिनाई का खूब विचार किया। इन व्रतों में एक भी बचाव का रास्ता नहीं रखने की निश्चय किया। बीमारी में दवा के रूप में बहुत सी चीजें लेना या न लेना, दवा की गिनती खाने की वस्तुओं में करना या न करना, इन सब बातों को सोचा। अंतत: निर्णय लिया कि खाने के कोई भी पदार्थ पांच से अधिक नहीं होने चाहिए। अपनी आत्मकथा में बापू लिखते हैं कि इन दोनो व्रतों को लिए अब तेरह वर्ष हो चुके हैं। इन्होंने मेरी काफी परीक्षा ली है। किन्तु जिस प्रकार परीक्षा ली है, उसी प्रकार ये व्रत मेर लिए काफी ढालरूप भी सिद्ध हुए हैं। मेरा यह मत है कि इन व्रतों के कारण मेरा जीवन बढ़ा है और मैं मानता हूं कि इनकी वजह से मैं अनेक बार बीमारियों से बच चुका हूं।'

यहीं बापू ने स्वच्छता के लिए झाड़ू उठाई

स्वच्छता का संकल्प भी महात्मा गांधी ने इसी कुंभ में लिया था। जब बापू हरिद्वार के बाजारों से गुजरे तो गंदगी देखकर दंग रह गए। कुंभ क्षेत्र में जिस तरह के शौचालय बनाए गए थे, उससे वहां खड़ा होना तक मुश्किल था। यहीं बापू ने पहली बार झाड़ू हाथों में उठाकर स्वच्छता को जीवन का आधार बनाया था। कुल मिलाकर महात्मा गांधी के जीवन की सबसे बड़ी खासियत यही है कि उन्होंने सबकुछ समाज से सीखा। यहीं से प्रेरणा लेकर सिद्धांतों को व्यवहार रूप दिया।

कोलकाता की दमदम मार्केट में बम धमाका, एक की मौत, 9 घायल

नई दिल्ली। कोलकाता की भीड़भाड़ वाली दमदम बाजार में हुए बम धमाके में एक बच्चे की मौत हो गई और नौ लोग जख्मी हुए हैं।

दमदम बाजार उत्तर कोलकाता की एक मशहूर मार्केट है। घटना के बाद सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच वाक युद्ध छिड़ गया है। तृणमूल के नेताओं ने आरोप लगाया है कि इस धमाके में उनकी पार्टी के नेताओं को निशाना बनाने की साजिश थी। घटना में जान गंवाने वाले 7 वर्षीय बच्चे की पहचान बिभाष घोष के रूप में हुई है। राज्य के तकनीकी शिक्षा मंत्री और स्थानीय विधायक पुरेंदु घोष ने बताया कि विभाष की मौत एसएसकेएम अस्पताल में इलाज के दौरान हो गई। घटना में बच्चे की मां भी घायल हो गई थी जिसका अभी इसी अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने बताया है कि घटना की प्राथमिक जांच में पता चला है कि यह एक देशी बम था और लो इंटेंसिटी का था। यह धमाका 9:15 पर हुआ, धमाका इतना तेज था की पास की बिल्डिंग का कांच टूटकर बिखर गया। जिस दुकान के बाहर धमाका हुआ उसका शटर भी मामूली रूप से छतिग्रस्त हो गया। घटना के बाद फौरन घायलों को पास के सरकारी अस्पताल आरजी कर मेडिकल कॉलजे एवं हास्पिटल और एसएसकेएम हास्पिटल व अन्य एक निजी अस्पताल में ले जाया गया।

अमृतसर स्थित स्वर्ण मंदिर में सोमवार को ''गुरु का लंगर' में रोटियां बेलते भारत में कनाडा के उच्चायुक्त नादिर पटेल और उनकी पत्नी जेनिफर ग्राहम।

जल्द ही इन 7 अपराधों की एफआईआर होगी ऑनलाइन दर्ज, पीएम मोदी का था सपना

नई दिल्ली, एजेंसी। लोग जल्द ही सात अपराधों और संबंधित सेवाओं की शिकायतें ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे तथा प्राथमिकी दर्ज करा सकेंगे। केंद्र इस संबंध में सभी राज्यों के लिए नागरिक केंद्रित पोर्टल शुरू करने जा रहा है। इस पोर्टल से लोग अपने संभावित कर्मचारियों मसलन घरेलू सहायक, ड्राइवर, किरायेदारों या किसी अन्य उद्देश्य से अतीत की जानकारी जुटा सकेंगे। गृह मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि नागरिक केंद्रित पोर्टल जल्द ही सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में शुरुआत के लिए तैयार हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की थी यह परिकल्पना

यह गृह मंत्रालय की 'स्मार्ट' पुलिस पहल है ताकि नागरिकों को सेवाएं प्रदान की जा सकें तथा कुशल पुलिस जांच में मदद मिल सके। यह परिकल्पना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की थी।

इस मंच से 34 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में सात अपराधों और संबंधित सेवाओं के संबंध में प्राथमिकी दर्ज करने के लिए ऑनलाइन सुविधा मिलेगी। इनमें कर्मचारियों, किरायेदारों और नर्सों के सत्यापन, सार्वजनिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए अनुमति, खोई-पाई चीजों और वाहन चोरी शामिल हैं। इसका मकसद आपराधिक जांच को नागरिकों के अनुकूल बनाना है। अधिकारी ने कहा कि नागरिकों की रिपोर्ट और अनुरोध बिना समय गंवाए राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को भेजे जाते हैं ताकि आगे की कार्रवाई की जा सके।

स्मार्ट पुलिस की अवधारणा पर जोर

प्रधानमंत्री ने गुवाहाटी में 2014 में सभी राज्यों के पुलिस प्रमुखों के वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए देश में स्मार्ट पुलिस की अवधारणा पर जोर दिया था। उन्होंने कहा था कि वह ऐसा पुलिस बल चाहते थे जो कुशल तरीके से देश की कानून-व्यवस्था का ध्यान रखे। उन्होंने कहा कि स्मार्ट यानी एसएमएआरटी में एस ' 'स्ट्रिक्ट और ' 'सेसेंटिव (सख्त और संवेदनशील) के लिए है जबकि एम ' 'मॉडर्न एवं मोबाइल के लिए है। वहीं ए ' 'एलर्ट(चौकस) तथा ' 'एकांटेबेल (जवाबदेह) के लिए है। आर ' 'रिलायबल (भरोसेमंद) के लिए है जबकि टी ' 'ट्रेन्ड (प्रशिक्षित) तथा ' 'टैक्नो-सैवी (तकनीक का जानकार) के लिए है।

एक बार सकिंदर से पूछा गया कि तुम धन क्यों एकत्र नहीं करते? तब उसका जवाब था कि इस डर से कि उसका रक्षक बनकर कहीं भ्रष्ट न हो जाऊं
-नेपोलियन

''मन की बात'

नरेन्द्र मोदी ने आकाशवाणी पर प्रसारित अपने ''मन की बात' कार्यक्रम में पड़ोसी देश पाकिस्तान के इमरान खान की नई सरकार को कड़ी चेतावनी देते हुए दो टूक कहा कि हमारे सैनिक देश की शांति और प्रगति को नष्ट करने वालों का मुंहतोड़ जवाब देंगे। हालांकि उन्होंने पाकिस्तान का नाम नहीं लिया लेकिन हाल के कुछवर्षों में पाकिस्तान जिस तरह से भारत को अस्थिर करने का सुनियोजित षडयंत्र चलाए हुए है, उससे जाहिर है कि प्रधानमंत्री का इशारा इसी ओर था। मोदी ने यह भी कहा कि भारत शांति के लिए प्रतिबद्ध है, लेकिन राष्ट्र की संप्रभुता एवं अखंडता की कीमत पर कतई नहीं। यह सच है कि भारत की विदेश नीति की बुनियाद ही विश्व शांति है। यही वजह है कि संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन में भारतीय सैनिकों की संख्या सबसे अधिक है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में इस तय का भी उल्लेख किया है। उन्होंने अपने मन की बात में ज्यादातर भारतीय सैनिकों को ही संबोधित किया। सर्जिकल स्ट्राइक की दूसरी वर्षगांठ ''पराक्रम पर्व' के रूप में मनाए जाने का जिक्र करते हुए कहा कि हमारे जवानों ने सर्जिकल स्ट्राइक करके आतंकवाद की आड़ में छद्म युद्धचलाने वालों को करारा जवाब दिया है। पिछले दिनों आतंकवादियों ने जम्मू-कशमीर में तीन पुलिसकर्मियों की क्रूर हत्या कर दी थी। ऐसा माना जाता है कि पाक-प्रायोजित आतंकवादी सूबे में बड़े पैमाने पर हिंसक वारदात को अंजाम देकर वहां होने जा रहे पंचायत चुनावों को बाधित करना चाहते हैं। लेकिन यह तय है कि भारत उनके नापाक मंसूबों को पूरा नहीं होने देगा। दरअसल, पाकिस्तान की तुलना में आर्थिक और सैन्य, दोनों मोर्चों पर ज्यादा शक्तिशाली होने के साथ-साथ भारत सभ्य, शिष्ट और जिम्मेदार राष्ट्र है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने चार वर्ष के कार्यकाल में पाकिस्तान के साथ रिश्ते सुधारने की दिशा में कईबार शांति की पहल की, लेकिन पाकिस्तान ने कभी भी इस पहल को आगे नहीं बढ़ाया। अलबत्ता, जम्मू-कश्मीर में आतंकी वारदात करके भारत की शांति पहल को उल्टी दिशा में मोड़ने का ही काम किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इस कड़ी चेतावनी का एक आयाम यह भी है कि आने वाले दिनों में भारत पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद का यकीनन मुंहतोड़ जवाब देगा।

स्कैंडल सहकारिता संस्थान

गुजरात के अमूल संस्थान के बारे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, सहकारी मॉडल पूंजीवादी और साम्यवादी मॉडल का व्यावहारिक आर्थिक विकल्प है। उन्होंने कहा कि एक ओर साम्यवादी आर्थिक मॉडल है, दूसरी ओर पूंजीवादी मॉडल। प्रधानमंत्री का आशय था कि सहकारी मॉडल भी एक बहुत शक्तिशाली मॉडल है, ऐसा अमूल जैसे संस्थानों ने करके दिखाया। साम्यवादी मॉडल आर्थिक गतिविधियों को सरकार के हवाले कर देता है। आर्थिक गतिविधियों में सरकार की कार्यकुशलता को लेकर कई गहरे सवाल खड़े होते हैं। आर्थिक गतिविधियों में लगे अधिकांश सरकारी संस्थान घाटे में चल रहे होते हैं, या निकम्मेपन और भ्रष्टाचार के शिकार होते हैं। दूसरी तरफ पूंजीवादी मॉडल में आर्थिक गतिविधियां बाजार के हवाले कर दी जाती हैं, जिसका एकमात्र उद्देश्य मुनाफों को अधिकतम करना होता है। ऐसी सूरत में बाजार उन्हीं पक्षों और ग्राहकों पर फोकस करता है, जिनसे भरपूर कमाई की उम्मीद है। पूरे तौर पर बाजार आधारित व्यवस्थाओं में छोटे कारोबारी संकट में आ जाते हैं, क्योंकि उनके पास ब्रांड इश्तिहार वगैरह के लिए रकम और ज्ञान नहीं होता। अमूल ने साबित किया कि सहकारी मॉडल भी अपना ब्रांड ऐसा बना सकता है, जिससे बहुराष्ट्रीय कंपनियां भी खौफ खाएं। सहकारी मॉडल में छोटे दूध वालों से दूध लेकर उससे आधुनिकतम संयंत्र में कई उत्पाद तैयार किए जाते हैं। अमूल के तमाम इश्तिहार तो इतने कामयाब हैं कि उन्हें बतौर केस स्टडी पढ़ाया जाता है। उत्तर प्रदेश, बिहार समेत तमाम राज्यों में सहकारिता सकारात्मक आंदोलन के लिए नहीं भ्रष्टाचार के लिए कुचर्चित रहा है। तरह-तरह के स्कैंडल सहकारिता संस्थानों से जुड़े रहे हैं कई राज्यों में यानी सिर्फ मॉडल से कुछ नहीं होता, किस गुणवत्ता मंशाओं वाले लोग जुड़े हैं सहकारिता आंदोलन से, यह भी महत्त्वपूर्ण है। सहकारिता आंदोलन ने जैसे सकारात्मक परिणाम पश्चिमी भारत में दिए हैं, वैसे ही उत्तर और पूर्वी भारत में मिलने लगें तो अर्थव्यवस्था की सूरत बदल जाएगी। सहकारिता मॉडल सही अर्थों में साम्यवाद और पूंजीवाद के सार्थक विकल्प के रूप में स्थापित हो जाएगा।

सत्संग

''ज्ञान''

''ज्ञान'' में भेद है। एक ज्ञान है-केवल जानना, जानकारी, बौद्धिक समझ। दूसरा ज्ञान है-अनुभूति, प्रज्ञा, जीवंत प्रतीति। एक मृत तयों का संग्रह है, एक जीवित सत्य का बोध। वस्तुत: बौद्धिक ज्ञान कोई ज्ञान नहीं है। ज्ञान का भ्रम है। क्या नेत्रहीन व्यक्ति को प्रकाश का कोई ज्ञान हो सकता है? बौद्धिक ज्ञान वैसा ही ज्ञान है। ऐसे ज्ञान का भ्रम अज्ञान को ढक लेता है। उसके शब्दजाल और विचारों के धुएं में अज्ञान विस्मृत हो जाता है। यह अज्ञान से भी घातक है; क्योंकि अज्ञान दिखता हो तो उससे ऊपर उठने की आकांक्षा पैदा होती है। पर न दिखे तो उससे ऊपर मुक्त होना संभव ही नहीं रह जाता। तथाकथित ज्ञानी अज्ञान में ही नष्ट हो जाते हैं। सत्य-ज्ञान बाहर से नहीं आता है और जो बाहर से आए, जानना कि वह ज्ञान नहीं है, मात्र जानकारी है। ऐसे ज्ञान के भ्रम में गिरने से सावधानी आवश्यक है। ज्ञान भीतर से जागता है। वह आता नहीं, जागता है। एक घने वन के बीहड़ पथ पर दो मुनि थे। शरीर की दृष्टि से वे पिता-पुत्र थे। पुत्र आगे था, पिता पीछे। मार्ग था एकदम निर्जन और भयानक। अचानक सिंह का गर्जन हुआ। पिता ने पुत्र से कहा, ''तुम पीछे आ जाओ, खतरा है।' पुत्र हंसने लगा; आगे चलता था-आगे चलता रहा। पिता ने दोबारा कहा। सिंह सामने आ गया था। पुत्र बोला, ''मैं शरीर नहीं हूं, तो खतरा कहां है? आप भी तो यही कहते हैं, न?' पिता ने भागते हुए चिल्ला कर कहा, ''पागल सिंह की राह छोड़ दे।' पर पुत्र हंसता ही रहा और बढ़ता ही रहा। सिंह का हमला भी हो गया। वह गिर पड़ा था, पर उसे दिख रहा था कि जो गिरा है, वह ''मैं' नहीं हूं। शरीर वह नहीं था, इसलिए उसकी कोई मृत्यु भी नहीं थी। जो पिता कहता था, वह उसे दिख भी रहा था। वह अंतर महान है। पिता दुखी था और दूर खड़े उसकी आंखों में आंसू थे और पुत्र स्वयं मात्र दृष्टा ही रह गया था। जीवन दृष्टा था, तो मृत्यु में भी दृष्टा था। उसे न दुख था, न पीड़ा। वह अविचल और निर्विकार था, क्योंकि जो भी हो रहा था, वह उसके बाहर हो रहा था। वह स्वयं कहीं भी उसमें सम्मिलित नहीं था। इसलिए कहता हूं ज्ञान और ज्ञान में भेद है।

विचारों की झंडी बनाकर

लंबे अरसे तक देश के कम्युनिस्ट नेता उनका मजाक बनाते रहे, पर आज स्थिति बदली हुई है। गांधी का नाम लेने वालों में वामपंथी सबसे आगे हैं। उनके जन्मदिन को राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनाने और तमाम शहरों की सड़कों को महात्मा गांधी मार्ग बनाने के बावजूद हमें लगता है कि उनकी जरूरत 1947 के पहले तक थी। अब होते भी तो क्या कर लेते? वस्तुत: गांधी की जरूरत केवल आजादी की लड़ाई तक सीमित नहीं थी। 1982 में रिचड एटनबरो की फिल्म ''गांधी' ने दुनियाभर का ध्यान खींचा, तब इस विषय पर एक बार फिर चर्चा हुई कि क्या गांधी आज प्रासंगिक हैं? वह केवल भारत की बहस नहीं थी। और आज गांधी की उपयोगिता शिद्दत से महसूस की जा रही है।

सतीश पेडणोकर

विचारों की झंडी बनाकर उससे सजावट करने में हमारा जवाब नहीं है। गांधी इसके उदाहरण हैं। लंबे अरसे तक देश में कांग्रेस पार्टी का शासन रहा। पार्टी खुद को गांधी का वारिस मानती है, पर उसके शासनकाल में ही गांधी सजावट की वस्तु बने। हमारी करंसी पर गांधी हैं, और अब नये नोटों में उनका चश्मा भी है। पर हमने गांधी के विचारों पर आचरण नहीं किया। उनके विचारों का मजाक बनाया। कुछ लोगों ने कहा, मजबूरी का नाम महात्मा गांधी।

लंबे अरसे तक देश के कम्युनिस्ट नेता उनका मजाक बनाते रहे, पर आज स्थिति बदली हुई है। गांधी का नाम लेने वालों में वामपंथी सबसे आगे हैं। उनके जन्मदिन को राष्ट्रीय पर्व के रूप में मनाने और तमाम शहरों की सड़कों को महात्मा गांधी मार्ग बनाने के बावजूद हमें लगता है कि उनकी जरूरत 1947 के पहले तक थी। अब होते भी तो क्या कर लेते? वस्तुत: गांधी की जरूरत केवल आजादी की लड़ाई तक सीमित नहीं थी। 1982 में रिचड एटनबरो की फिल्म ''गांधी' ने दुनियाभर का ध्यान खींचा, तब इस विषय पर एक बार फिर चर्चा हुई कि क्या गांधी आज प्रासंगिक हैं? वह केवल भारत की बहस नहीं थी। और आज गांधी की उपयोगिता शिद्दत से महसूस की जा रही है।

अस्सी के दशक में अटल बिहारी वाजपेयी ने अपने राजनीतिक कार्यक्रम को ''गांधीवादी समाजवाद' का नाम दिया था। इसमें गांधी और समाजवाद दोनों की मिलावट थी।

गांधी के महत्त्व को नरेन्द्र मोदी ने भी स्वीकार किया। उन्होंने 15 सितम्बर से ''स्वच्छता ही सेवा अभियान' शुरू किया है, जो 2 अक्टूबर यानी आज तक तक चलेगा। आज से गांधी का 150वां जयंती वर्ष भी शुरू हो रहा है। व्यापक अर्थ में यह गांधी के अंगीकार का अभियान है, जिसके राजनीतिक निहितार्थ भी स्पष्ट हैं। मोदी सरकार ने अपने पहले साल से ही गांधी की 150 वीं जयंती का नाम लेना शुरू कर दिया था। जून, 2014 में लोक सभा के पहले सत्र में राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने अपने अभिभाषण में नई सरकार की जिन प्राथमिकताओं को गिनाया था, उनमें एक थी, ''स्वच्छ भारत' की स्थापना। मोदी ने नारा दिया, ''पहले शौचालय, फिर देवालय।

'राष्ट्रपति ने इसी तर्ज पर कहा, देश भर में ''स्वच्छ भारत मिशन' चलाया जाएगा और ऐसा करना महात्मा गांधी को उनकी 150वीं जयंती पर हमारी श्रद्धांजलि होगी जो वर्ष 2019 में मनाई जाएगी। पिछले साल 9 अगस्त क्रांति दिवस ''संकल्प दिवस' के रूप में मनाने का आह्वान करके मोदी ने कांग्रेस की एक और पहल को छीना था। अगस्त क्रांति के 75 साल पूरे होने पर बीजेपी सरकार ने जिस स्तर का आयोजन किया, उसकी उम्मीद कांग्रेस पार्टी ने नहीं की होगी। मोदी ने 1942 से 1947 को ही नहीं जोड़ा है, 2017 से 2022 को भी जोड़ दिया। मोदी सरकार की योजनाएं 2019 के आगे जा रही हैं। स्वच्छ भारत अभियान भी अगले साल के अक्टूबर तक जा रहा है। वास्तव में गांधी की विरासत पूरे देश की है, पर उनके कार्यक्रमों को भी उसी व्यापक समझ के दायरे में देखना चाहिए। गांधी का सबसे महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम था देश में सद्भाव और सामाजिक सौहार्द कायम करना। आज हमें इस सद्भाव की सबसे ज्यादा जरूरत है। यह जरूरत भारत ही नहीं, पूरी दुनिया को है। गांधी प्रासंगिक हैं, तो दुनिया के लिए हैं, केवल भारत के लिए नहीं, क्योंकि उनके विचार संपूर्ण मानवता से जुड़े हैं। फिर भी सवाल है कि क्या उनका देश भारत आज उन्हें उपयोगी मानता है? कुछ लोगों को यह सोचना मजेदार लगता है कि गांधी आज होते तो क्या करते? क्या कश्मीर का विवाद खड़ा होने देते? क्या 1962, 65 और 71 की लड़ाइयां होतीं? क्या भारत एटम बम बनाता? क्या बाबरी मस्जिद ढहाई जा सकती थी? क्या चीन के साथ डोकलाम जैसा विवाद होता? हमें लगता है कि इस व्यावहारिक दुनिया से गांधी की समझ मेल नहीं खाती। बहरहाल, कश्मीर का विवाद गांधी के सामने ही पैदा हो गया था, और उन्होंने कश्मीर में सेना भेजने का समर्थन किया था। हमने गांधी की ज्यादातर भूमिका स्वतंत्रता संग्राम में ही देखी। हम उनके प्रतिरोधी-स्वरूप के आगे देख नहीं पाते हैं। गांधी की प्रशासनिक समझ का जायजा उनके लेखन और व्यावहारिक गतिविधियों से लिया जा सकता है। उनकी सबसे बड़ी काबिलियत थी समूह को साथ लेकर चलना। पिछले कई सौ साल में ऐसा कोई व्यक्ति नहीं हुआ, जिसने दक्षिण एशिया के जन-समूह को इस कदर सम्मोहित किया हो। आज होते तो समय के लिहाज से कोई न कोई रणनीति लेकर आते। उन्हें आधुनिकता का विरोधी माना जाता है। मसलन, वे यंत्रों के विरोधी थे। सवाल है कि विरोधी क्यों थे? इसलिए नहीं कि तकनीकी विकास से उनका बैर था, बल्कि इसलिए कि वे तकनीक को सामाजिक जरूरत के रूप में देखते थे, जो वास्तव में तकनीक का उद्देश्य है। गांधी काम करने के अधिकार को प्राथमिक मानते थे। मशीनीकरण का उस हद तक विरोध करते थे जिस हद तक वह व्यक्ति के इस अधिकार का हनन करता है। चाहते थे कि औजार उसके प्रयोक्ता के नियंतण्र में रहे वैसे ही जैसे क्रिकेट का बैट या कृष्ण की बांसुरी। उत्पादन प्रक्रिया में नैतिकता हो। उनके ट्रस्टीशिप के विचार पर गंभीरता से विवेचन नहीं हुआ। दुनिया की कंपनियां अब जनता के अंशदान के सहारे खड़ी होती हैं। नियंतण्र पूंजीवाद जिस कॉरपोरेट लोकतंत्र और शेयरहोल्डर के अधिकारों की बात करता है, उससे गांधी के विचारों का टकराव नहीं है। जिस दौर में कार्ल मार्क्स को पूंजीपति और मजदूर के बीच टकराव नजर आ रहा था, गांधी दोनों के झगड़े निपटा रहे थे। वे एडम स्मिथ के इस विचार से असहमत थे कि मनुष्य स्वभावत: स्वार्थ और पाशविक लोभ-लालचों से घिरा है। उन्होंने इस दावे को गलत बताया कि कि व्यक्ति परिश्रम करे तो सफल हो सकता है। उन्होंने लाखों-करोड़ों लोगों का उदाहरण दिया जो हाड़-तोड़ काम करते हैं, और भूखे रह जाते हैं। उनकी प्रासंगिकता का इससे बेहतर उदाहरण क्या हो सकता है कि उन्हें आज संघ परिवार के सदस्यों का समर्थन मिल रहा है, जो कभी उनके आलोचक थे। गांधी को यह देश आज अप्रासंगिक नहीं मानता। अलबत्ता, इतना जरूर मानता है कि आज कोई ईमानदार गांधी हमारे बीच नहीं है।

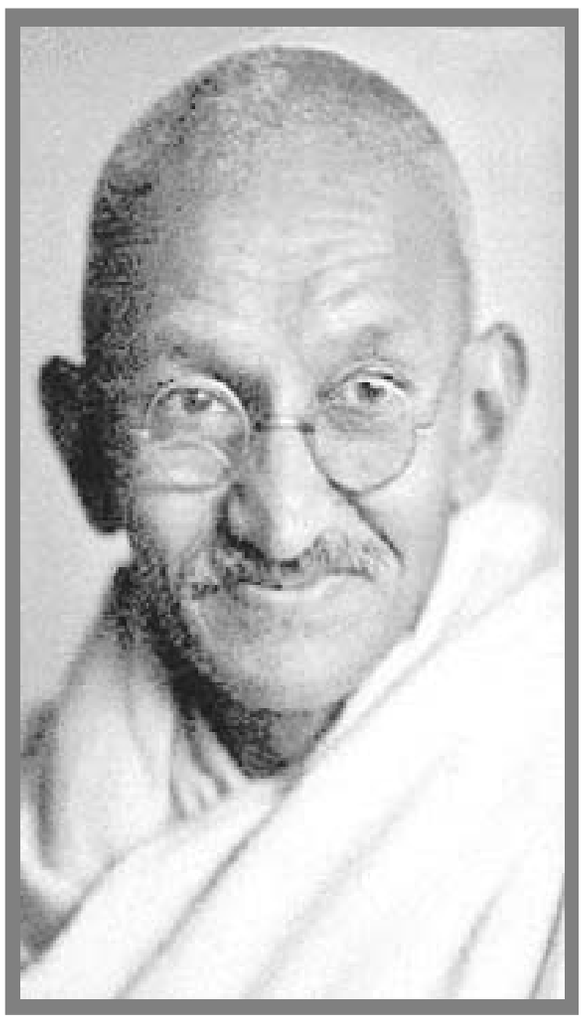

चलते चलते

खादी वस्त्र

शहर के विख्यात शराब कारोबारी चोरड़ियामल अगर खादी की दुकान खोलकर उस पर तीस परसेंट का डिस्काउंट देना शुरू कर दें तो लोग चोरड़ियामल को गांधी जी के मुकाबले ज्यादा महान मान लेंगे, ज्यादा डिस्काउंट यानी ज्यादा बड़े महापुरुष।

अक्टूबर 2 गांधी जयंती के अवसर पर चालू विविद्यालय द्वारा आयोजित निबंध प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार विजेता निबंध इस प्रकार है-गांधी जयंती का घणा महत्त्व है। बीस परसेंट का डिस्काऊंट खादी वस्त्रों पर इस दिन से शुरू होता है। इसलिए वह बहुत महान हैं, ऐसा मानने वाले कई कस्टमर हैं। शहर के विख्यात शराब कारोबारी चोरड़ियामल अगर खादी की दुकान खोलकर उस पर तीस परसेंट का डिस्काउंट देना शुरू कर दें तो लोग चोरड़ियामल को गांधी जी के मुकाबले ज्यादा महान मान लेंगे, ज्यादा डिस्काउंट यानी ज्यादा बड़े महापुरुष। हालांकि डिस्काउंट के बावजूद खादी भंडार के कई आइटम इतने महंगे हैं कि आम आदमी खरीदने में हिचक जाए। गांधी शब्द का ताल्लुक अब मोटे तौर पर डिस्काउंट के अलावा घोटालों से जुड़ा हुआ माना जा सकता है। गांधी के नाम पर ढेर सरकारी संस्थाएं खुलीं। लगभग हर संस्था घोटाले आदि के लिए कुख्यात हुई। लगभग हर खादी संस्था ऐसा करके दिखा चुकी है। भ्रष्टाचार का गांधी जी से गहरा रिश्ता जुड़ा। गांधी टोपी पहन कर जाने कितने नेताओं ने कुर्बानियां दी, ईमान की। गांधी टोपी कालांतर में इतनी अश्लील हो गई, जितनी अश्लील कई ब्लू फिल्मों की हीरोइनें और हीरो भी ना दिखे। यह बहुत सांत्वनादायक बात है कि खुद गांधी जी का कोई फोटू गांधी टोपी में नहीं मिलता वरना गांधी जी बहुत ही अश्लील लगते। यों गांधी को लगभग हर राजनीतिक दल संपदा या निधि घोषित करता है। पर लगभग हर राजनीतिक दल के लिए गांधी संपत्ति या एसेट तो हैं, पर नॉन परफार्मिंग एसेट यानी डूबत संपत्ति हैं, जिससे कुछ मिलना मिलाना नहीं है। इसलिए गांधी जी को आम तौर पर भाव चुनावी दिनों में ही मिल पाता या फिर डिस्काउंट वाले दिनों में। यूं गांधी जी का ब्रांड बहुत बड़ा है। पूरी दुनिया में गांधी जी पर लेक्चर-विमर्श होता है, जिसमें भारत के विद्वान जाते हैं, डॉलर, पौंड कमाकर लौटते हैं। गांधी जी के नाम पर कमाई सिर्फ रुपयों में ही नहीं है। अगर गांधी जी को ढंग से निचोड़ लिया जाए तो विदेशों से भी रकम खींची जा सकती है। कुल मिला कर जाने के बाद गांधी जी डिस्काउंट, घोटाले और नोट खींचने के काम भी आ रहे हैं। इससे गांधी दर्शन के गहन आर्थिक महत्त्व का पता चलता है।

फोटोग्राफी...

अहमदाबाद के एक स्कूल में सोमवार को ''गांधी जयंती' के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में गांधी की वेश में चरखा चलाता एक बच्चा।

मानसिकता में बदलाव

क्रिकेट खिलाड़ी और पाकिस्तान तहरीके इंसाफ पार्टी के अध्यक्ष इमरान खान ने 18 अगस्त, 2018 को पाक के प्रधानमंत्री का पद संभाला। उम्मीद थी कि अब पाकिस्तान के शासकों की मानसिकता में बदलाव आएगा और देश लोकतंत्र की रक्षा के लिए किसी दबाव में नहीं आाएगा लेकिन ऐसा नहीं हुआ। हालात ने कुछ ऐसी करवट ली कि इमरान अपनी कार्यशैली से खुद ही आलोचना का शिकार हो गए। यह सिलसिला खत्म होने का नाम नहीं ले रहा। पाकिस्तान की विपक्षी पार्टियों ने इमरान द्वारा संसद को विास में लिए बिना आतंकवाद और कश्मीर समेत अहम मुद्दों पर भारत से फिर से बातचीत करने की पेशकश करने पर सवाल खड़े कर रहे हैं। उल्माए इस्लाम (फज्ल) के सिनेटर अब्दुल गफूर हैदरी ने सवाल किया है कि कैसे कोई एक व्यक्ति बिना संसद को विास में लिए भारत के साथ वार्ता की पेशकश कर सकता है। पाक की दोनों प्रमुख विपक्षी पार्टियां मुस्लिम लीग (नवाज) और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी का कहना है कि इमरान ने भारत से बातचीत का प्रस्ताव देने से पहले जरूरी होमवर्क नहीं किया। उतावला दिखाकर देश की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाया है। इस दौरान भारत की विदेश मंत्री सुषमा स्वराज और पाक के विदेश मंत्री शाह महमूद के बीच संयुक्त राष्ट्र महासभा में होने वाली मुलाकात रद्द कर दी गई। इसके दो कारण बताए गए। पहला, एक सुरक्षाकर्मी की निर्मम हत्या; और दूसरा, पाकिस्तान में जारी की गई डाक टिकटों में आतंकवादियों का महिमामंडन। इससे तिलमिला कर इमरान ने अपनी हताशा गैरकूटनीतिक और खीज भरी ट्वीट से भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लेकर तीखी टिप्पणी की। नजर आता है कि दोनों देशों के बीच लंबे समय तक रिश्तों में सुधार नहीं हो पाएगा। पाकिस्तान की लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए इमरान ने 18 सदस्यीय सलाहकार परिषद (आईएसी) गठित की थी। उन्होंने इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन किए। आतिफ मियां को परिषद से हटाने की मांग की। नई सरकार कट्टरपंथियों के दबाव के सामने झुक गई। सरकार को आतिफ का इस्तीफा मंजूर करना पड़ा। इससे नाराज होकर एक और पाकिस्तानी एवं अमेरिकी नागरिक अर्थशास्त्री इमरान रसूल ने भी परिषद से इस्तीफा दे दिया। विदेशी निवेश पूंजी भंडार घटकर 9 अरब डॉलर हो गया है। उसे कोई भी देश कर्ज देने के लिए तैयार नहीं। बहरहाल, आने वाले दिन इमरान खान की सरकार के कामकाज की स्थिति और खुलकर सामने आ जाएगी। दूसरी कल्याणकारी योजनाएं शुरू करनी चाहिए। बुजुगरे की बेहतर देखरेख के लिए सरकारी, गैरसरकारी संगठनों, परिवार और समाज-सबको अपनी भूमिका सही ढंग से निभानी होगी। केंद्र सरकार ने तमाम वृद्धाश्रमों के पंजीकरण की योजना भी बनाई है। इसके साथ ही घरों में बुजुगरे को जरूरी सेवाएं मुहैया कराने वाली कंपनियों की रेटिंग शुरू करने पर भी विचार चल रहा है। बुजुगरे की बदहाली आज के अत्याधुनिक भारत का विद्रूप यथार्थ है। देश में बुजुगरे की तादाद बढ़ने के साथ ही उनके साथ दुर्व्यवहार के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। पश्चिमी संस्कृति ने यदि किसी को सबसे अधिक आहत किया है, तो वे हैं हमारे बुजुर्ग। इन्हें घर ही नहीं बाहर भी दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ रहा है। एकल परिवारों की बढ़ती अवधारणा के बीच घरों मेहं बुजुगरे के लिए जगह सिमटती जा रही है। यह स्थिति वाकई त्रासदीपूर्ण है। समझना होगा कि बुजुर्ग बोझ नहीं हमारी अमूल्य सांस्कृतिक धरोहर हैं। उनकी शुभकामनाएं जीवन को आबाद कर देती हैं।

भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमें युवा ओलंपिक खेलों के लिए रवाना

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष और महिला हाकी टीमें पहली बार युवा ओलंपिक खेलों में हिस्सा लेने के लिए रवाना हुईं जिसका आयोजन आठ से 16 अक्टूबर तक ब्यूनस आयर्स में किया जाएगा। यह पहला मौका है जब भारतीय हाकी टीम युवा ओलंपिक में हिस्सा ले रही है। महिला टीम को पूल ए में रखा गया है और टीम अपने अभियान की शुरुआत सात अक्टूबर को आस्ट्रिया के खिलाफ करेगी जबकि पुरुष टीम पूल बी में इसी दिन अपना पहला मैच बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगी।

महिला टीम के कोच बलजीत सिंह सैनी ने कहा, 'युवा ओलंपिक खेलों से पहले हमारी तैयारी अच्छी हुई है और इससे मदद मिलेगी कि नौ सदस्यीय टीम का प्रत्येक सदस्य पिछले वर्षों में हाकी इंडिया सीनियर राष्ट्रीय फाइव ए साइड टूर्नामेंट में खेला है जिससे उन्हें खेल की अच्छी समझ है।' इस बीच पुरुष टीम के कोच करियप्पा ने कहा कि अच्छी तैयारी से टीम इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए बेहतर स्थिति में है। उन्होंने कहा, 'हमने अपनी तैयारियों में कोई कसर नहीं छोड़ी है और इसलिए हमें अच्छे प्रदर्शन का भरोसा है। यह टूर्नामेंट खिलाड़ियों के लिए काफी महत्वपूर्ण है।'

रोनाल्डो ने बलात्कार के दावे को बताया फर्जी, पुलिस ने दोबारा शुरू की जांच

लास एंजिलिस। अमेरिकी पुलिस ने कहा है कि उसने पूर्व माडल के बलात्कार के आरोपों की जांच दोबारा शुरू कर दी है जिसने कहा था कि 2009 में लास वेगास के होटल पेंटहाउस सुईट में फुटबाल स्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने उस पर हमला किया था। इटली की सिरी ए में यूवेंटस की ओर से खेल रहे रोनाल्डो ने हालांकि इंस्टाग्राम पर लाइव चैट के दौरान इन आरोपों को खारिज करते हुए 'फर्जी खबर' बताया है। पुर्तगाल के 33 साल के स्टार रोनाल्डो ने सोमवार को पोस्ट में लिखा, 'उन्होंने आज जो कहा वह पूरी तरह से फर्जी है- फर्जी खबर।' रोनाल्डो ने हालांकि बाद में इस पोस्ट को डिलीट कर दिया।

निलंबन से रोनाल्डो को तरोताजा होने का मिलेगा मौका : कोच अलेगरी

मिलान। यूवेंटस के कोच मासिमिलियानो अलेगरी ने कहा है कि क्रिस्टियानो रोनाल्डो का एक मैच का चैंपियन्स लीग निलंबन पुर्तगाल के इस स्टार खिलाड़ी के तरोताजा होने के लिए अच्छा ब्रेक है क्योंकि टीम से जुड़ने के बाद से उन्होंने सभी मैच खेले हैं। रोनाल्डो मंगलवार को तुरिन में स्विस क्लब यंग ब्वायज के खिलाफ यूरोपीय लीग के मैच में नहीं खेल पाएंगे क्योंकि वेलेंसिया के खिलाफ मैच के दौरान विवादास्पद तरीके से उन्हें लाल कार्ड दिखाकर बाहर कर दिया गया था।

नापोली के खिलाफ 3-1 की जीत के दौरान रोनाल्डो ने इस चैंपियन टीम की ओर से तीनों गोल में भूमिका निभाई जिसके संदर्भ में अलेगरी ने कहा, 'रोनाल्डो अब तक सभी मैच खेला है और यूवेंटस से जुड़ने के बाद शनिवार का उनका प्रदर्शन सर्वश्रेष्ठ है।' उन्होंने कहा, 'थोड़े आराम से उसे फायदा होगा। यह अच्छा है कि वह मैनचेस्टर में हमारे साथ होगा लेकिन यह महत्वपूर्ण है कि वह आराम भी करे क्योंकि वह पहले ही हमारे लिए काफी मैच खेल चुका है।'

इस खबर से क्रिकेट प्रशंसकों को होना पड़ सकता है दुखी!

इंदौर। मध्यप्रदेश के इंदौर वासियों को यह खबर दुखी कर सकती है, क्योंकि इंदौर में होने वाले भारत और वेस्टइंडीज मुकाबला शायद रद्द हो सकता है। जानकारी के अनुसार होल्कर क्रिकेट स्टेडियम में भारत और वेस्टइंडीज के बीच आगामी 24 अक्टूबर को होने वाला एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैच भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एमपीसीए) के बीच टिकटों के बंटवारे को लेकर उपजे मतभेद के कारण स्थानांतरित हो सकता है।

एमपीसीए के सूत्रों के अनुसार दो दिन पहले इस संबंध में बीसीसीआई से मिले मेल में विवाद का समझौता सुझाया गया है, लेकिन मैच की तैयारियों के लिए पर्याप्त समय नहीं बचा होने के कारण एमपीसीए अब मैच की मेजबानी के पक्ष में नहीं दिख रही है। एमपीसीए के सचिव मिलिंद कनमडीकर ने कहा कि बीसीसीआई मैच के लिए हमसे हास्पिटेलिटी टिकट की मांग कर रही है, जिसे हम स्वीकार नहीं कर सकते।

पवैलियन (हास्पिटेलिटी) गैलरी में सिर्फ सात हजार सीटें हैं। उच्चतम न्यायालय के आदेशों के अनुसार इसमें से केवल 10 प्रतिशत यानी 700 सीटें ही निःशुल्क वितरित कर सकते हैं। अगर इसमें से हम पांच प्रतिशत टिकट बीसीसीआई को दे देते हैं, तो हमारे पास सिर्फ 350 हास्पिटेलिटी टिकट बचेंगे। कनमडीकर से जब पूछा गया कि इसमें समस्या क्या है, तो उन्होंने कहा कि एसोसिएशन को भी अपने सदस्यों और विभिन्न सरकारी एजेंसियों की मांग को पूरा करना होता है।

सहवाग और धवन ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को ऐसे दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। 2 अक्टूबर के दिन पूरा भारत देश, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 150वीं जयंती मना रहा है। इसके साथ ही देश के भूतपूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का भी जन्म दिवस मनाया जा रहा है। इस खास मौके पर देश की तमाम लोगों और हस्तियों समेत भारतीय क्रिकेट जगत के कई खिलाड़ियों ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के नाम अपने खास संदेश दिए। मंगलवार को पूर्व भारतीय विस्फोटक बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने ट्वीट करके लिखा, '2 अक्टूबर का दिन बहुत यादगार दिन है। भारत माता को दो सबसे महान बेटों, महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री को उनके जन्म दिवस पर श्रद्धांजलि। आशा करता हूं हम सरलता, अहिंसा, शांति, सच्चाई जैसे सिद्धांत अपने जीवन में अपनाएंगे।'

वहीं भारतीय टेस्ट स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने भी गांधी जयंति की बधाई दी। अश्विन ने ट्वीट करके लिखा, ÷आज देश गांधी जयंति मना रहा है। क्या आज के दिन हम गांधीजी को दो सबसे अहम सिद्धांतों, सच्चाई और अहिंसा को अपने जीवन का हिस्सा बना सकते हैं?÷ इसके अलावा भारतीय ओपनर शिखर धवन ने महात्मा गांधी की तस्वीर शेयर करते हुए अपने ट्विटर हैंडल पर महात्मा गांधी का एक बेहतरीन संदेश साझा किया। उधर भारतीय टीम के महान टेस्ट बल्लेबाज रहे वीवीएस लक्ष्मण ने ट्विटर पर महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री दोनों की तस्वीरें शेयर करते हुए जन्म दिन पर उन्हें याद किया। इसके अलावा पूर्व भारती बल्लेबाज मोहम्मद कैफ ने भी ट्वीट करके महात्मा गांधी के सिद्धांतों को याद किया।

शिखर और मुरली के बाद ओपनिंग बल्लेबाजों के लिए टीम इंडिया की निगाहें पृथ्वी और लोकेश पर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

मुरली विजय के इंग्लैंड दौरे के बीच में बाहर किए जाने और शिखर धवन के वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज शुरू होने से पहले टेस्ट टीम से बाहर किए जाने के बाद विश्व की नंबर एक टेस्ट टीम भारत को अब एक नई ओपनिंग जोड़ी की तलाश है। भारत को इंग्लैंड में पांच टेस्टों की सीरीज में 1-4 से हार का सामना करना पड़ा था और इस सीरीज के दौरान भारत ने ओपनिंग में कई प्रयोग किए लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी।

वीरेंद्र सहवाग और गौतम गंभीर की सफल ओपनिंग जोड़ी के बाद पिछले लगभग आठ साल में भारत ने लगातार कोशिश की है लेकिन उसे ओपनिंग में एक स्थायित्व जोड़ी नहीं मिल पाई है। राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने वेस्टइंडीज के खिलाफ चार अक्टूबर से राजकोट में शुरू हो रही दो टेस्टों की सीरीज के लिए ओपनर शिखर को टीम से बाहर कर दिया है जबकि चयन से 24 घंटे पहले समाप्त हुए एशिया कप में शिखर सर्वाधिक रन बनाने की बदौलत मैन ऑफ द टूर्नामेंट बने थे।

यह हैरानी की बात है कि कोई खिलाड़ी भारत की खिताबी जीत में मैन ऑफ द टूर्नामेंट बनता है लेकिन अगले ही दिन उसे टेस्ट टीम से बाहर का रास्ता दिखा दिया जाता है। ओपनर विजय को इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के बाद शेष दो टेस्टों के लिए चुनी गई टीम से बाहर कर दिया गया था। टीम में ओपनिंग के लिए मुंबई के 18 वर्ष के बल्लेबाज पृथ्वी शॉ को शामिल किया गया है जो सलामी बल्लेबाजी में लोकेश राहुल के जोड़ीदार के रूप में उतरेंगे। हालांकि राहुल का इंग्लैंड में ओपनिंग में बल्लेबाजी प्रदर्शन कोई बहुत उम्दा नहीं रहा था। लेकिन पांचवें टेस्ट की दूसरी पारी में वह 149 रन बनाकर टीम में अपनी जगह बचा गए।

हरभजन सिंह ने कहा- टीम चयन के मापदंडों को नहीं समझ पा रहा हूं

नई दिल्ली (एजेंसी)।

दिग्गज ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा कि एमएसके प्रसाद के नेतृत्व वाली चयन समिति के राष्ट्रीय टीम चयन के मापदंड उनके समझ से परे हैं। चयनकर्ताओं ने अफगानिस्तान और इंग्लैंड के खिलाफ टीम का हिस्सा रहे करुण नायर को लगातार छह मैचों में अंतिम 11 में मौका मिले बिना वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के लिए चुनी गयी टीम से बाहर कर दिया।

हरभजन ने मंगलवार को पीटीआई को दिए साक्षात्कार में कहा, 'यह ऐसा रहस्य है जिसे हल करने की जरूरत है। तीन महीने तक बेंच पर बैठा खिलाड़ी इतना बुरा कैसे हो सकता है कि वह टीम में बने रहने के लायक भी नहीं है।' अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के विभिन्न प्रारूपों में 700 से ज्यादा विकेट लेने वाले इस गेंदबाज ने कहा, 'यकीन मानिए, राष्ट्रीय टीम के चयन के लिए यह चयन समिति जिस तरह का मापदंड अपना रही है उससे मुझे उनकी सोच पर तरस आता है।' टर्बनेटर के नाम से पहचाने जाने वाले इस खिलाड़ी ने कहा कि वह नायर के दर्द को समझ सकते हैं जो टेस्ट क्रिकेट में वीरेन्द्र सहवाग के बाद तिहरा शतक लगाने वाले सिर्फ दूसरे भारतीय हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि अलग-अलग खिलाड़ियों के चयन के लिए अलग-अलग पैमाना अपनाया जा रहा है। कुछ खिलाड़ी ऐसे हैं जिन्हें सफल होने के लिए कई मौके दिये जाते हैं जबकि दूसरों को असफल होने के लिए भी मौका नहीं मिल रहा है। यह सही नहीं है।'

हरभजन ने सवाल किया, 'अगर हनुमा विहारी वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में सफल नहीं होते है तो आप क्या करेंगे? किसी भी खिलाड़ी के लिए हालांकि मैं ऐसा नहीं चाहूंगा। मेरी शुभकामनाएं विहारी के साथ हैं।' उन्होंने कहा, 'अगर विहारी सफल नहीं होते हैं तो क्या फिर से नायर को चुना जाएगा, ऐसे में क्या वह ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए आत्मविश्वास से भरे होंगे।' उन्होंने उम्मीद जतायी कि ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले टीम चयन से जुड़े सभी लोग सुधार करेंगे।

विराट को मानसिक आराम के लिये एशिया कप में दिया आराम : शास्त्री

नई दिल्ली (एजेंसी)।

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि कप्तान विराट कोहली को लगातार खेले जा रहे क्रिकेट से कुछ दूर कर मानसिक रूप से आराम देने के मद्देनजर एशिया कप में विश्राम दिया गया था। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट को हाल ही में संपन्न हुये एशिया कप में आराम दिया गया था जहां सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने कप्तानी करते हुये सातवीं बार भारत को चैंपियन बनाया था। विराट को यूएई में हुये टूर्नामेंट से बाहर रखने की वजह बताते हुये यहां मंगलवार को शास्त्री ने कहा, विराट को आराम की जरूरत थी।

शारीरिक रूप से वह बहुत मजबूत हैं। उन्हें मैदान से बाहर नहीं किया जा सकता है। कोच ने कहा,हम सभी जानते हैं कि जब विराट क्रिकेट खेलते हैं तो वह किस आक्रामकता और तेजी के साथ खेलते हैं। ऐसे में उन्हें शारीरिक से अधिक मानसिक आराम देने की जरूरत थी ताकि जब वह वापसी करें तो तरो ताजा होकर आयें।

शास्त्री ने गल्फ न्यूज को दिये बयान में कहा, हमने जैसे विराट को आराम दिया है वैसे ही हम बाकी खिलाड़ियों को भी आराम देंगे। हमें लगभग सभी खिलाड़ियों के साथ ऐसा करना होगा। जसप्रीत बुमराह, भुवनेश्वर कुमार ये ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्हें हम टीम में नियमित चाहते हैं और इसके लिये उन्हें उर्जावान बनाये रखना जरूरी है।

विराट अब बुधवार से वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू होने जा रही दो मैचों की सीरीज से

फिर राष्ट्रीय टीम में वापसी करेंगे और 15 सदस्यीय टीम की कप्तानी करेंगे। पहला मैच राजकोट में होगा। हालांकि सलामी बल्लेबाज शिखर धवन को टेस्ट टीम से बाहर रखा गया है। उनके बजाय पृथ्वी शॉ, मयंक अग्रवाल को टीम में जगह दी गयी है जबकि तेज गेंदबाज भुवनेश्वर और बुमराह को सीरीज में आराम दिया गया है।

भारत के खिलाफ पहले मैच में नहीं खेल पाएंगे वेस्टइंडीज के रोच

राजकोट। वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ केमार रोच भारत के खिलाफ पहले टेस्ट में नहीं खेल पाएंगे क्योंकि उन्हें अपनी नानी के निधन के कारण बारबडोस वापस लौटना पड़ा था। रोच गुरुवार से यहां शुरू हो रहे पहले टेस्ट के बीच में टीम के साथ जुड़ेंगे। वेस्टइंडीज के कोच स्टुअर्ट ला ने मंगलवार को कहा, 'केमार अब तक नहीं लौटा है। उसके परिवार में निधन हो गया था और वह पहले टेस्ट के बीच में टीम से जुड़ेगा।'

उन्होंने कहा, 'केमार रोच काफी अनुभवी तेज गेंदबाज है जिसके बाद शानदार कौशल है। वह हमारे नेतृत्वकर्ताओं में से एक है। यह बड़ा नुकसान है। हालांकि पिछले कुछ टेस्ट मैचों में शेनन गैब्रिएल ने शानदार प्रदर्शन किया है और वह भी भारत जैसे हालात में।' रोच ने 48 टेस्ट में 28-31 की औसत से 163 विकेट चटकाए हैं। आस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर से कोच बने ला ने हालांकि गैब्रिएल (37 टेस्ट), कसान जेसन होल्डर (34), कीमो पाल (एक टेस्ट) और नवोदित शर्मन लुईस की मौजूदगी वाले अपने तेज गेंदबाजी आक्रमण की क्षमताओं पर भरोसा जताया। लुईस को चोटिल अलजारी जोसेफ की जगह टीम में जगह दी गई है।

कोच ने कहा, 'केमार को नहीं होना बड़ा नुकसान है लेकिन हमारे पास कीमो पाल और शर्मन लुईस के रूप में प्रतिभावान खिलाड़ी हैं। कभी कभी विरोधी को हैरान करने के लिए अनजान के साथ उतरना बेहतर होता है। तेज गेंदबाजी हमारा मजबूत पक्ष है।'

पृथ्वी को रणजी ट्रॉफी जैसी करनी चाहिए बल्लेबाजी- रहाणे

राजकोट। भारतीय उपकप्तान अजिंक्य रहाणे का कहना है कि वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रृंखला के जरिये टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण की दहलीज पर खड़े पृथ्वी साव को अपनी बल्लेबाजी की आक्रामक शैली को ही जारी रखना चाहिये। उन्होंने कहा कि मुझे साव के लिये खुशी है। मैंने उसे कैरियर की शुरूआत से देखा है। हम साथ में अभ्यास करते थे। वह आक्रामक सलामी बल्लेबाज है और भारत ए के लिये अच्छा खेलने का उसे फल मिला है।

रहाणे ने यह नहीं कहा कि पृथ्वी और मयंक अग्रवाल में से कौन राजकोट में चार अक्तूबर से शुरू हो रहे पहले टेस्ट में केएल राहुल के साथ पारी का आगाज करेगा। रहाणे ने कहा कि मुझे नहीं पता कि टीम संयोजन क्या होगा लेकिन कोई दबाव नहीं है। हर किसी को खुलकर खेलने का मौका है। मैं उसे शुभकामना देता हूं और मुझे यकीन है कि वह अच्छा खेलेगा। मैं चाहता हूं कि वह उसी तरह खेले जैसे मुंबई और भारत ए के लिये खेलता है।

इंग्लैंड दौरे की नाकामी के बाद रहाणे ने विजय हजारे ट्राफी में बड़ौदा, कर्नाटक और रेलवे पर मुंबई को जीत दिलाई। उन्होंने कहा कि वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रृंखला से पहले उन्हें अच्छा मैच अभ्यास मिल गया है। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड से आने के बाद मेरा लक्ष्य मुंबई के लिये अच्छा प्रदर्शन करना था ताकि वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रृंखला से पहले अच्छा अभ्यास मिल सके।

उन्होंने कहा कि मेरा हमेशा से मानना रहा है कि घरेलू मैच हो या अंतरराष्ट्रीय या फिर अभ्यास मैच, सभी के अलग तरह के दबाव होते हैं और इससे मुझे तैयारी में मदद मिली। मेरा आत्मविश्वास बढा है और मैं आगे भी लय कायम रखना चाहता हूं।

इंग्लैंड में भारत की असफलता पर ज्यादा ध्यान नहीं दे रहे : लॉ

राजकोट (एजेंसी)।

वेस्टइंडीज के कोच स्टुअर्ट ला ने मंगलवार को यहां कहा कि भारत को इंग्लैंड में हुई परेशानियों पर वह ज्यादा ध्यान नहीं दे रहे हैं और तेजी से सुधार कर रही उनकी टीम दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला में रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज टीम को कड़ी चुनौती देगी। ला ने मंगलवार को कहा, 'हमने काफी बातें कर ली हैं (श्रृंखला से पहले)। हमने श्रीलंका और बांग्लादेश के खिलाफ दो घरेलू श्रृंखलाओं में अच्छा प्रदर्शन किया। हम भारतीय टीम के इंग्लैंड में प्रदर्शन पर ज्यादा ध्यान नहीं दे रहे हैं। मैंने उनके प्रदर्शन को देखा है यह 1-4 के नतीजे से कही ज्यादा करीबी श्रृंखला थी।'

उन्होंने कहा, 'भारतीय टीम रैंकिंग में शीर्ष पर है, हम आठवें स्थान पर हैं। हम उनके घरेलू मैदान पर खेल रहे हैं, यह काफी बड़ी चुनौती है। यहां आने वाली ज्यादातर टीमें सफल नहीं रही हैं। हम इन तमाम चुनौतियों को समझते हैं लेकिन दूसरी तरफ हमारी टीम में सुधार हो रहा है।' ला को उम्मीद है कि उनकी टीम गुरूवार से शुरू हो रहे पहले टेस्ट मैच में अच्छा प्रदर्शन करेगी।

उन्होंने कहा, 'भारत आने से पहले हमने आठ दिन तक दुबई में अभ्यास किया। वहां दिन में तापमान 45 डिग्री तक था, इसलिए हमारे लिए गर्मी ज्यादा बड़ा मुद्दा नहीं है। बड़ौदा में दो दिनों का अभ्यास मैच भी हमारे लिए अच्छा रहा। बड़ौदा में हमें जैसी पिच मिली थी यह पिच भी वैसी ही दिख रही है। हमारी तैयारी अच्छी है।' क्रिकेटर से कोच बने 49 साल के इस ऑस्ट्रेलियाई ने कहा, 'हमने काफी बातें कर ली लेकिन अब बातें करने का समय नहीं है। अब समय आ गया है कि खिलाड़ियों को मैदान पर प्रदर्शन करना होगा। भारत का दौरा करना दूसरी टीमों के लिए हमेशा मुश्किल होता है। हमें दुनिया को दिखाना होगा हम भी खेल सकते हैं और मौके का फायदा उठा सकते हैं।'

टीम के सलामी बल्लेबाजों के बारे में पूछे जाने पर ला ने कहा, 'शुरूआती तीन और चार नंबर तक बल्लेबाजी करना मुश्किल काम होता है। क्रेग ब्रेथवेट और कीरन पावेल ने कई बार एक साथ पारी की शुरूआत की है और वे अब तक सफल रहे हैं। हमने अपनी योजना तैयार रखी है और खिलाड़ियों को उसे मैदान पर दिखाना होगा।' तेज गेंदबाजी हमेशा से वेस्टइंडीज का मजबूत पक्ष रहा है लेकिन भारत के खिलाफ इंग्लैंड के मोईन अली की सफलता को देख कर ला को स्पिन गेंदबाजों से भी काफी उम्मीदें हैं।

उन्होंने कहा, 'मोईन अली ने इंग्लैंड में

भारतीय बल्लेबाजों को काफी परेशान किया। हमारे पास भी स्पिन गेंदबाजी में जो विकल्प हैं उसका इस्तेमाल करना होगा। रोस्टन चेज की लंबाई मोईन अली से थोड़ी ज्यादा है, वे उसी गति से गेंदबाजी करते हैं। देवेन्द्र बिशू और जोमेल वारिंकन का भी गेंद पर अच्छा नियंत्रण है। तेज गेंदबाजी हमारा मजबूत पक्ष रहा है लेकिन स्पिनर भी अच्छा कर सकते हैं।' ला को हालांकि लगता है विराट कोहली की अगुवाई वाली भारतीय बल्लेबाजी को रोकना आसान नहीं होगा। उन्होंने कहा, 'उन्होंने भारत के अलावा दूसरे देशों में भी शानदार प्रदर्शन किया है। कोहली महान बल्लेबाज है।

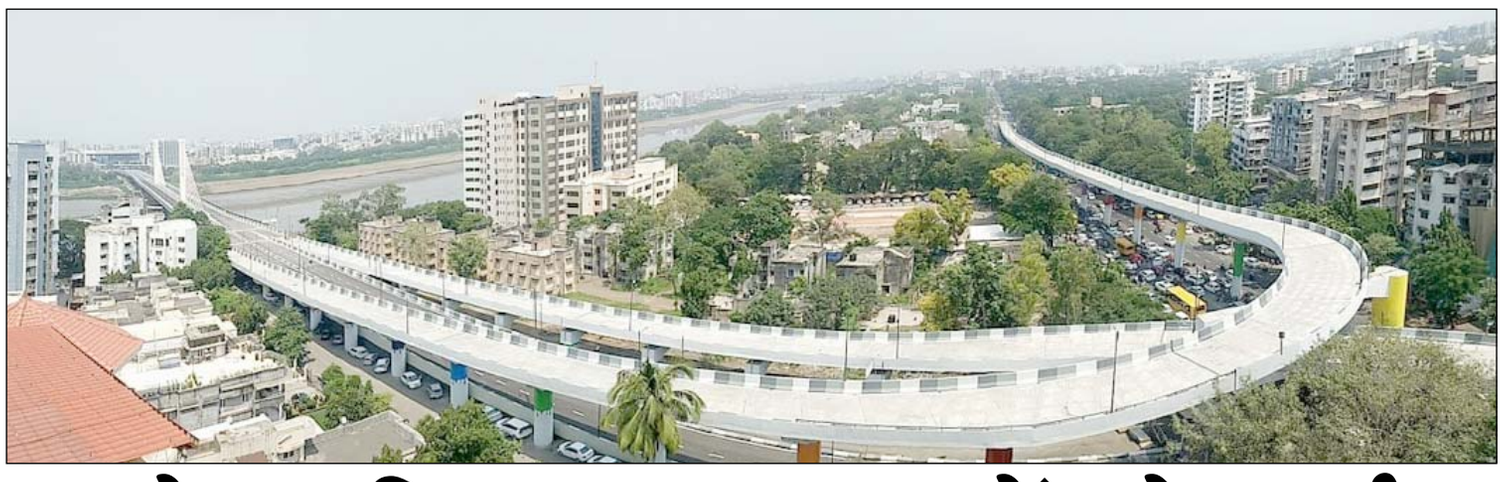

गुजरात के पहले केबल स्टेइड ब्रिज का सूरत में लोकार्पण

रूपाणी ने गांधी जयंती पर दिया सूरतवासियों को 825 करोड़ के विकास कार्यों का उपहार

स्वच्छता के साथ गांधीजी के जीवन मूल्यों को जीवंत रखने का किया आह्वान

सूरत। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी से सूरत शहर देश के दूसरे और गुजरात के पहले केबल स्टेइड टू वे ब्रिज का गांधी जयंती के मौके पर लोकार्पण किया। साथ ही को 825 करोड़ के विकास कार्यों का उपहार देते हुए कहा कि स्वच्छता के आग्रही पूज्य महात्मा गांधीजी के मूल्यों को जीवंत रखना ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

मुख्यमंत्री ने अठवा लाइंस में 143.86 करोड़ के खर्च से नवनिर्मित स्टेइड केबल ब्रिज का शुभार भ किया। इस ब्रिज की लंबाई 918 मीटर और 24 मीटर चौंडाई है। यह ब्रिज गुजरात का पहला टू वे केबल स्टेइड ब्रिज है। इस ब्रिज का 150 मीटर हिस्सा किसी भी स्पान के बगैर केवल केबल पर टिका है। ब्रिज की अवधि 100 वर्ष है और इस ब्रिज पर एक साथ 150 ट्रक खड़े रह सकते हैं। यानी ब्रिज इतना वजन वहन कर सकता है। भूकंप समेत प्राकृतिक आपदाओं में ब्रिज को कोई हानि नहीं हो इस प्रकार की डिजाइन तैयार की गई है। आम तौर पर ब्रिज में दो पिलर्स के बीच 50 मीटर होती है, लेकिन केबल स्टेइड ब्रिज में यह अंतर 150 मीटर है। इस ब्रिज की पिलर की ऊंचाई 110 फूट है। ब्रिज के निर्माण में 1632 केबल का उपयोग किया गया है और सभी कैबल का वजन 88 टन है। केबल स्टेइड ब्रिज के साथ ही मुख्यमंत्री ने 300 सिटीबस सेवा और फायर फाईटर के आधुनिक साधनों का लैगऑफ करवाया। उन्होंने 148.0। करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण, 354.1। करोड़ के कार्यों का भूमिपूजन और 1।9.31 करोड़ के रिंगरोड-सेकंड फेज़ का डिजिटल त ती द्वारा भूमिपूजन किया। इस अवसर पर स्वास्थ्य राज्य मंत्री किशोरभाई कानाणी, खेलकूद राज्य मंत्री ईश्वरसिंह पटेल, सांसद सीआर पाटिल, दर्शनाबेन जरदोश सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

अडाजण संजीवकुमार हॉल में मुख्यमंत्री ने पूज्य महात्मा गांधीजी को सूत की माला पहनाकर श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता आजादी और स्वच्छता का चयन करना पड़े तो वह स्वच्छता का चयन करेंगे, यह गांधीजी का विचार था। इन विचारों को साकार बनाकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वच्छता के अभियान को देश का अभियान बनाया है। समग्र देश और गुजरात ने स्वच्छता आग्रह को स्वीकार कर भारत को स्वच्छता महाशक्ति बनाने के लिए संकल्प लिया है। गांधीजी ने आजादी के संघर्ष के बाद स्वराज्य के साथ ही सुराज्य की कल्पना भी की थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वावल बन, स्वदेशी की पूज्य गांधीजी की विचारधारा का अनुसरण कर मेक इन इंडिया शुरु किया है। मुख्यमंत्री ने लाइफ फॉर नेशन, देश के विकास और देश की प्रतिष्ठा को आगे बढ़ाकर पूज्य महात्मा गांधीजी को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि गुजरात और गांधीजी एक दूसरे के प्रयाय हैं, इसका गौरव है। सूरत के साथ भी गांधीजी का नाता रहा है। बारडोली सत्याग्रह हो या दांडी सत्याग्रह, यहां के लोगों ने आजादी के संघर्ष में शामिल होकर जो बलिदान दिये हैं, वह व्यर्थ नहीं जाएगा। गुजरात में विकास का मौसम पूरी तरह से खिला है। सूरत ब्रिजों की नगरी है और यह केबल ब्रिज शहर की शान है। नागरिकों के लिए यह 120वां ब्रिज है। सूरत हमेशा से लोगों को जोड़ने वाला शहर रहा है। स्वच्छता अभियान में खूबसूरती के साथ पूरे विश्व में सूरत ने अपनी अलग पहचान खड़ी की है। विकास कार्यों के लिए राज्य सरकार महानगरपालिका को तमाम प्रकार की सहायता उपलब्ध करवाएगी। गुजरात की नगरपालिकाओं और महानगरपालिकाओं के समुचित विकास पर सरकार ने ध्यान केन्द्रित किया है। सुव्यवस्थित विकास के लिए अलग कमिश्नरेट बनाया गया है।

यातायात व्यवस्था, सलामती और स्मार्टसिटी के मामले में आगे बढ़ रहे हैं। रूपाणी ने कहा कि गुजरात टेंकर मुक्त, फाटक मुक्त और हैंडप प मुक्त बने, इस दिशा में कार्य जारी हैं और गुजरात विकास की उंचाइयां हासिल करेगा। 12 अक्टूबर को तीसरी नवरात्री पर दहेज-घोघा बन्दरगाह रो-रो फेरी सर्विस शुरु करने की घोषणा करते हुए उन्होंने कहा कि इसमें छोटे और बड़े वाहनों का परिचालन हो सकेगा।

राजस्व मंत्री कौशिकभाई पटेल ने सूरत महानगरपालिका के शासकों और अधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 2 अक्टूबर गांधीजी की जयंती सूरत के लिए ऐतिहासिक रहा है। करीब 800 करोड़ रुपए से ज्यादा के विकास कार्य नागरिकों के लिए उपहार समान हैं। मुख्यमंत्री के पारदर्शी अभिगम और त्वरित निर्णयों के कारण गुजरात ने विकास में रफ्तार पकड़ ली है। मनपा फाइनेंस बोर्ड के चेयरमेन धनसुखभाई भंडेरी ने भी विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री को सूरत के दाताओं ने 13 लाख रुपए से ज्यादा के चेक मुख्यमंत्री कन्या केळवणी कोष के लिए प्रदान किए।

सूरत। महात्मा गांधी जी की 150वीं जन्मजयंती और भारत के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शात्री की जन्मजयंती के उपलक्ष्य में सूरत शहर जिला कांग्रेस समिति के द्वारा एक प्राथना सभा का आयोजन पुराने कांग्रेस कार्यकालय में किया गया। प्राथना सभा के बाद एक विशाल रैली का आयोजन चौक बाजार गांधी प्रतिमा तक किया गया। इस कार्यक्रम में सूरत शहर कांग्रेस प्रमुख बाबू रायका, महानगर पालिका के विपक्षी के नेता प्रफुलभाई तोगड़िया सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस के कार्यकर्ता हाजिर हुए।

इलेक्शन के लिए लारी-गल्ला वालों से चन्दा मांगती कांग्रेस

सूरत। शहर में कांग्रेस द्वारा इलेक्शन में अपने उम्मीदवारों की कैम्पेनिंग करने के लिए लारी-गल्ला वालों से चंदा लिया गया। काफी समय से सत्ता से बाहर रहने के कारण कांग्रेस को अपने उम्मीदवारों को लड़ाने के लिए अब चंदा उगराना पड़ रहा है। आज महात्मा गांधी की 150वीं जन्म ज्यंती के उपलक्ष्य में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कांग्रेस इस कार्यक्रम के माध्यम से डोर-टू-डोर प्रचार करेगी और 30 अक्टूबर तक चंदा उगरानी करेगी। जिसकी शुरुआत शहर के वार्ड नं.5 अश्विनिकुमार फुल पाडा विस्तार में से जन संपर्क अभियान के कार्यक्रम अंतर्गत किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस पार्टी को कुल 11000 रुपए का चंदा मिला।

पुत्र के दीर्घायु की कामना की

शहर के विभिन्न इलाके में पुत्रजीवित्का का हुआ पूजन

सूरत। शहर में पांडेसरा, भेस्तान, उधना, नवागांव-डिंडोली, भटार, अलथान, सचिन, अमरोली सहित अन्य उत्तर भारतीय बाहुल्य इलाके में मंगलवार को महिलाओ ने पुरे दिन निराजली व्रत रखकर शाम को अपने निकट स्थित मंदिरों व पार्क में कुछ महिलाएं ग्रुप में बैठकर पुरे विधि विधान के साथ पुत्रजीवित्का का पूजन किया और पुत्र के सुख, श्रमिद्धि व लंबी उम्र की प्रार्थना की। इस मौके पर लीलावती शर्मा, सुषमा शर्मा, शीला सिंह, निशा सिंह, अंजलि सिंह, साधना शर्मा, अमृता शर्मा,सपना, नगीना बेन, सोना शर्मा, काजल, सानवी शर्मा, मुस्कान, आयुष, संदीप, पवन, पवित्र, बंटी, बबली, बीयूटी , हिमांशु सिंह, अर्जुन शर्मा सहित अन्य मौजूद रहे।

महादेव मीडिया
रोहताश यादव 9924144499, 7015339195
वीजिटिंग कार्ड, बिल बुक, लेटर पैड, बेनर, पोस्टर, आदि का डिजाइन बनवाने के लिए संपर्क करें। (हिन्दी, गुजराती)
हिन्दी, गुजराती न्युज पेपर डिजाईन करवाने के लिए संपर्क करें।
304 केवल कॉम्पलेक्ष नवा गाम, डिंडोली, उधना सूरत।

सूरत। कनकपुर कनसाड नगर पालिका द्वारा 150वीं महात्मा गांधी ज्यंती धुम-धाम से मनाई गई। इस कार्यक्रम में सुबह 7 बजे से 8 बजे तक नगर पालिका कचेरीमां नगर की तमाम स्कूलों के बालों ने एकत्रित होकर प्रभात फेरी लगाई।

अग्राल विकास ट्रस्ट द्वारा चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

अग्रवाल विकास ट्रस्ट द्वारा अग्रसेन जयंती के उपलक्ष में आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन सिटीलाइट स्थित अग्रसेन के द्वारका हॉल में 9:00 बजे किया गया। महिला शाखा की अध्यक्षा रेणु गुप्ता ने बताया कि पांच ग्रुप रहे, ग्रुप ए में 113, ग्रुप बी में 95, ग्रुप सी में 105, ग्रुप डी में 92, ग्रुप ई में 65 सदस्य सभी सदस्यों को गिफ्ट हैंपर दियासभीगया ट्रस्ट के पदाधिकारी अर्जुन भूत, प्रकाश मोर, सुभाष अग्रवाल, सुभाष पाटोदिया, विजय गोयल, कुंज पंसारी युवा शाखा अध्यक्ष राहुल अग्रवाल उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **RNI.No. : GUJHIN/2018/75100**, E-mail: krantisamay@gmail.com